हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 25 फरवरी 2025

11 लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने वेस्ट बंगाल को 20-9 के अंतर

12 सभी नहरों में टेल तक पूरा पानी पहुंचाया जाएगा :श्रुति

GD GOENKA PUBLIC SCHOOL
Bhiwani
NURTURING EVERY CHILD'S UNIQUE DREAMS AND POTENTIAL
Address: 5th Km Milestone, Rohtak-Bhiwani Road, Bhiwani
Contact: 9912082000
9912084000
Your Child Can Be Anything. Let it be.

खबर संक्षेप

सांजरवास में आज होगा रात्रि ठहराव

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर उपायुक्त मुनीश शर्मा और पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी मंगलवार 25 फरवरी को सांजरवास गांव में रात्रि ठहराव करेंगे। इस दौरान गांव की समस्याओं को सुना जाएगा और उनका समाधान भी किया जाएगा। साथ ही गांव के विकास को लेकर लोगों के सुझाव भी लिए जाएंगे।

समस्याओं का हो रहा ऑन द स्पॉट समाधान

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर शुरू किए गए समाधान शिविरों के माध्यम से लोगों की शिकायतों का ऑन द स्पॉट निपटारा किया जा रहा है। ये शिविर वास्तविक रूप से लोगों को राहत प्रदान कर रहे हैं और नागरिकों लिए वरदान से कम नहीं हैं, ये बात एसडीएम आशीष सांगवान ने कही। सोमवार को एसडीएम आशीष सांगवान की अध्यक्षता में समाधान शिविर को आयोजन किया और मौके पर ही शिकायतों के समाधान के निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से समाधान शिविर के तौर पर शुरू की गई व्यवस्था अपने आप में अनोखी है। इस व्यवस्था के तहत एक ही स्थान पर सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे शिविर में आने वाली समस्याओं को मौके पर ही समाधान होता है और लोगों को अलग अलग स्थानों पर चक्कर लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ती है।

रविवार की रात करीब साढ़े 12 बजे लगी दुकान में आग

आग की लपटें शांत होने के इंतजार में थम गई हीरालाल की धड़कनें

- 15-20 मिनट में आग की लपटें शांत हुई तो दमकल कर्मचारी छत पर बने कमरे में पहुंचे और हीरालाल को उठाने का प्रयास किया,लेकिन उस वक्त तक उनकी धड़कनें रुक चुकी थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। झुलसने से बचा सामान बाहर निकालते हुए और उपरी कमरे में जले हुए सामान को नीचे गिराते लोग। फोटो : हरिभूमि

उनको कतई इल्म नहीं होगा कि बेटा सोमवार सुबह अपने पिता हीरालाल का मुंह नहीं देख पाएगा। बाप व बेटा शाम के वक्त खाना बनाकर खाया, अगले दिन की बिजनेस की प्लानिंग आदि की और सोए गए। पर भगवान को कुछ ओर ही मंजूर था। रात को करीब साढ़े 12 बजे आग लगी तो हीरालाल की नींद नहीं खुली, लेकिन पुत्र जितेंद्र की नींद टूटी तो पूरा कमरा धूंऐ भरा हुआ था। आग की लपटे उनको अपने आगोश में लेने के लिए लपलपा रही थी।

जितेंद्र ने हिम्मत की और आग की लपटों को चिरता हुआ सीढियों के रास्ते नीचे पहुंच गया। नीचे उतरने के बाद अपने बड़े भाई को मोबाइल फोन पर सूचित किया और तत्काल दुकान पर पहुंचने को कहा।

इस दौरान पड़ोसियों को आवाज लगाई। भाई के अलावा मौके पर अनेक पड़ोसी पहुंच गए। अनेक लोगों ने छत से कमरे के अंदर जाने का प्रयास किया,लेकिन आग की लपटें तेज होने की वजह से कमरे तक पहुंच नहीं पाए। इसी दौरान फायर बिग्रेड का दस्ता मौके पर पहुंचा और पानी के फुव्वारों से आग को शांत करने में जुट गया। करीब 15-20 मिनट में आग की लपटें शांत हुई तो दमकल कर्मचारी छत पर बने कमरे में पहुंचे और हीरालाल को उठाने का प्रयास किया,लेकिन उस वक्त तक

भिवानी। दुर्घटना की जानकारी देता मृतक का बड़ा बेटा। फोटो : हरिभूमि

उसकी धड़कनें रुक चुकी थी। इसी दौरान मौके पर पहुंची एम्बुलेंस के सहारे मृतक के शव व झुलसी हालत में जितेंद्र को सामान्य अस्पताल पहुंचाया गया। अगर आगजनी की घटना के दौरान ही हीरालाल को बाहर निकाल लिया जाता तो शायद उनकी भी जान बच सकती थी। पर आग ने शांत होने का नाम ही नहीं लिया। यहां यह बताते चले कि हीरालाल की पत्नी की करीब 19 साल पहले मौत हो गई थी और जितेंद्र की अभी शादी नहीं हुई थी। दोनों बाप व बेटा ही कमरे में रहते थे।

जाना था सूरत, हादसे ने रोक लिए कदम

मृतक हीरालाल के बड़े बेटे का सूरत में कारोबार है। करीब 19 दिन पहले छोटे भाई की पत्नी का देहांत हो गया। उनकी सारी क्रियाएं पूरी हो चुकी थी और सोमवार को उनको सूरत जाना था। पर भगवान को कुछ ही ओर ही मंजूर था। बड़े भाई ने बताया कि रात साढे 12 बजे के आसपास उसके सबसे छोटे भाई जितेंद्र का फोन गया। उसने बताया कि भाई दुकान में आग लग गई। वह और दूसरा छोटा रघुनंदन मौके पर पहुंचे तो दुकान धू धूं कर जल रही थी। उन्होंने पड़ोसियों को आवाज दी और उपर बने कमरे से पिता को निकलवाने में मदद की मांग की। पड़ोसी भी पहुंच गए। पर आग की लपटें तेज होने की वजह से अंदर नहीं जा पाए। उन्होंने बताया कि उनको क्या मालूम था कि जाने से पहले इतना बड़ा हादसा ओर देखना पड़ेगा। इस हादसे के बाद वे पूरी तरह से टूट गए है।

भिवानी। युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते पुलिसकर्मी।

युवाओं को नशा छोड़ने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा द्वारा चलाई गई जिला नशा मुक्त बनाने की मुहिम के तहत उप-पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह ने गांव चरखी खेल स्टेडियम में युवाओं व बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरुक किया। कार्यक्रम ग्रामीणों व बच्चों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नशा हमारे शारीरिक विकास के साथ ही हमारे मानसिक, आर्थिक एवं पारिवारिक जीवन को खराब कर देता है, जबकि खेलों से हमारा शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

एसपी वर्मा ने कहा कि नशे से केवल एक व्यक्ति का ही नहीं बल्कि उसके परिवार व समाज का भी नुकसान होता है तथा हमारा जीवन अंधकार में डूब जाता है। नशे करने वाला व्यक्ति परिवार के लिए बोझ स्वरुप हो जाता है। समाज उसे हीन दृष्टि से देखता है। ऐसे व्यक्ति में आत्मविश्वास कम होने लगता है और जीवन में निराशा का भाव आने लगता है। जिससे व्यक्ति डिप्रेशन की ओर जाने लगता है। अतः इससे बचकर रहें और अपने परिचितों को भी इससे बचाएं।

उन्होंने कहा कि कोई नशे की गिरफ्त में है तो उसे दृढ़ इच्छा शक्ति से बाहर लाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे बच्चों को नशे से बचाना है, इसके साथ ही उनको नशा छोड़ने के लिए आवश्यक पुलिस सहायता के बारे में भी जानकारी दी।

दो अवैध देशी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस सहित दो युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, मामला दर्ज

लोहारू। डिटेक्टिव पुलिस टीम ने दो युवकों को दो अवैध देशी पिस्तौल व चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। जानकारी अनुसार डिटेक्टिव पुलिस टीम को राजस्थान के पिलानी रोड की तरफ से आने वाले मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों के पास अवैध पिस्तौल होने की गुप्त सूचना मिली, जिस पर तुरंत टीम ने गौशाला के पास नाकाबंदी कर दी और वाहनों की जांच शुरू कर दी। जब बाइक पर सवार दो युवक मौके पर पहुंचे तब पुलिस टीम ने उन्हें रोककर तलाशी ली तो दोनों युवकों के कब्जे से दो अवैध देशी पिस्तौल और दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

शहर को साफ-सुथरा व सुंदर बनाने में अफसरों का सहयोग जरूरी : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- खुले में कूड़ा डालने के 40 प्वाइंट चिन्हित

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि भिवानी शहर को साफ सुथरा व सुंदर बनाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों का सहयोग अपेक्षित है। उपायुक्त आज लघु सचिवालय के डीआरडीए हाल में स्वच्छता को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि भिवानी नगर का स्वच्छता को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सर्वे करवाया गया है।

इस सर्वे में पाया गया है कि शहर में 40 अलग-अलग ऐसे बिंदु है जहां पर कूड़ा डाला जा रहा है। उन्होंने एक-एक करके सभी बिंदुओं पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि नगर परिषद द्वारा गाडियों के माध्यम से घर-घर से कूड़ा उठाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद भी खुले में कूड़ा डालना गलत है। उन्होंने कहा कि शहर को साफ-सुथरा व सुंदर बनाना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त 40 बिंदुओं के समीप जहां-जहां सरकारी कार्यालय हैं वे अधिकारी वहां से गंदगी हटवाने की जिम्मेदारी लेंगे। इसके अलावा इस कार्य में सामाजिक संस्थाओं व नागरिकों का सहयोग भी लिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नागरिकों से अपील भी करें कि खुले में कूड़ा ना डालें क्योंकि यह शहर हमारा अपना है और इसे साफ सुथरा व सुंदर रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उपायुक्त महावीर कौशिक ने घर-घर से कूड़ा उठाने वाले एजेंसी संचालकों को भी निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय पर कॉलोनी में पहुंचे और खुले में कूड़ा इक_ा ने होने दें। बैठक में नगराधीश अनिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेयजल को लेकर नागरिकों को न हो परेशानी: उपायुक्त

तीन जलघरों की क्षमता 211 करोड़ लीटर प्रतिदिन, पंप हाउस पर एडवांस में मोटर रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त महावीर कौशिक ने सुचारू रूप से पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त आज अपने कार्यालय में पेयजल आपूर्ति को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। महावीर कौशिक ने अधिकारियों को पेयजल का उचित प्रबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि आम नागरिक को पेयजल को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि पेयजल के उचित प्रबंधन के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा कि अधिकारी पेयजल की उपलब्धता को लेकर सभी विकल्पों पर विचार करें ताकि निर्बाध गति से पेयजल आपूर्ति हो सके। उन्होंने कहा कि पंप हाउस पर एडवांस मोटर रखें ताकि खराब होने की स्थिति में तुरंत बदला जा सके। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिताथल हैड पर निर्बाध गति से बिजली आपूर्ति की जाए। इसके साथ ही उन्होंने नहर के अंदर ही पानी स्टोरेज करने के विकल्प पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पानी को बर्बाद ना करें। उन्होंने कहा कि अक्सर घरों के पार्कों में पानी देने व गाड़ी धोने में पानी की बर्बादी की जाती है, जिससे बचना चाहिए। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नागरिकों को पेयजल आपूर्ति करने के लिए तीन वाटर वर्क्स बनाए गए हैं। उनकी क्षमता 211 करोड़ लीटर प्रतिदिन की है। उन्होंने बताया कि 24 दिन नहर बंद रहती है और 16 दिन नहर में पानी आता है। इस दौरान ही स्टोरेज का कार्य किया जाता है। इसके लिए मिताथल हेड बनाया गया है, जहां से पाइपलाइन के माध्यम से पानी जल घरों तक लाया जाता है। बैठक में सीवरेज व्यवस्था को लेकर भी समीक्षा की गई और उपायुक्त महावीर कौशिक ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

उन्होंने कहा कि सीवरेज की सफाई का कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए। अधिकारियों ने उपायुक्त को बताया कि सीवरेज को साफ करने के लिए टेंडर लगा दिया गया है और जल्द ही कार्य शुरू हो जाएगा। बैठक में वन विभाग से डॉ. राजेश वत्स, सिंचाई विभाग के एसई दिनेश राठी, बिजली विभाग का कार्यकारी अभियंता संजय रंगा, एसई जनस्वास्थ्य विभाग से डीएस दलाल व सुनील रंगा अधिकारी मौजूद रहे।

फिलहाल भालौट-सिरसा ग्रुप की नहरों में चल रहा है पानी

दो दिन और करना होगा नहरी पानी का इंतजार

- बुटाना ग्रुप की नहरों पर पड़ने वाले तालाब व जलघर खाली रहने की वजह से लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विभाग के संबंधित अधीक्षक अभियंताओं को भेजे पत्र में कहा गया है कि फिलहाल भालौट

किसानों को दो ओर दिन नहरी पानी का इंतजार करना होगा। अब नहरी पानी 26-27 फरवरी को जिले की नहरों में पहुंचने की उम्मीद है। चूंकि फिलहाल भालौट-सिरसा ग्रुप की नहरों में पानी बह रहा है।

उक्त ग्रुप की नहरों पर पड़ने वाले जलघर व तालाब खाली रह गए। जिस वजह से इन नहरों में दो दिन ओर पानी चलेगा। जिसके चलते सुंदर ग्रुप की नहरों में दो दिन देरी से पानी पहुंचने की उम्मीद है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईआईसी ने सिंचाई ग्रुप की नहरों में पानी बह रहा है। जो कि 23 फरवरी तक चलाया जाना था,लेकिन इन नहरों पर पड़ने वाले जलघर व तालाब खाली रहने पर दो दिन अतिरिक्त पानी चलाया जाएगा। ताकि तालाबों व जलघरों में पर्याप्त पानी का स्टॉक किया जा सके। ताकि आने वाली गर्मी में पानी की समस्या से छुटकारा पाया जा सके। भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि अब सुंदर ग्रुप की नहरों में 25 फरवरी शाम को पानी छोड़ा जाएगा। जिसके चलते सुंदर ग्रुप की नहरों में 26 फरवरी व 27 फरवरी सुबह तक पहुंचने की उम्मीद है। भेजे गए निर्देशों में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि सुंदर ग्रुप को कितना पानी मिलेगा,लेकिन सिंचाई विभाग की तरफ से 2150 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की डिमांड भेजी गई है।

अब सभी की नजरे नहरी पानी छोड़े जाने पर टिकी है। क्योंकि फिलहाल रबी फसल को सिचांई की बेहद खास जरूरत है। अगर इस वक्त सिंचाई नहीं हुई तो रबी फसलों की औसतन पैदावार में कमी आना लाजिमी है।

राशनिंग से मिले छुटकारा

भिवानी शहर व आसपास के इलाकों के जलघरों में गिनती के दिनों का पानी का स्टॉक बचा है। हालांकि शहर के साथ साथ ग्रामीण इलाकों में भी पीने के पानी की राशनिंग की हुई है। कहीं पर तीसरे दिन तो कहीं पर चौथे दिन पानी की सप्लाई दी जा रही है। अगर पानी आने में ओर दिन की देरी हुई तो पीने के पानी की सप्लाई चौथे दिन तक पहुंच जाएगी। दूसरी तरफ गर्मी का मौसम शुरू होने वाला है। जलघरों के अलावा तालाबों में भी पानी न के बराबर बचा है। ऐसे में पशुओं के लिए भी पानी की समस्या बन सकती है।

महिला विकास निगम की सब्सिडी ऋण योजना का उठाएं लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- ऋण के लिए आवेदन के समय पर महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो
- समय पर किस्तों का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक 100 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि सरकार देगी

हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से विधवाओं, तलाकशुदा और कानूनी रूप से अलग महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए एक सब्सिडी ऋण योजना शुरू की हुई है। हरियाणा महिला विकास निगम के तहत बैंको के माध्यम से पात्र महिलाओं को 3 लाख रुपये तक का ऋण दिलवाने की व्यवस्था की गई है, जिसे महिलाएं खुद का कार्य शुरू करके आत्मनिर्भर बन सकती है।

हरियाणा महिला विकास निगम के जिला प्रबंधक ने बताया कि इस योजना के तहत जो महिलाएं हरियाणा की स्थाई निवासी हैं और जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये से कम है वे महिलाएं इस योजना के पात्र है। ऋण के लिए आवेदक के समय पर महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किस्तों का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक 100 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी।

इस योजना के अंतर्गत ई-रिक्शा, टैक्सी, टेलरिंग, बुटीक, ब्यूटी पार्लर, फोटोकॉपी की दुकान, पापड़ बनाना, फूड स्टॉल, अचार बनाना, हलवाई की दुकान, बिस्कुट बनाना, हैंडलूम और आइसक्रीम बनाने की यूनिट इत्यादि शामिल है।

हरिभूमि
सहेली

नन्हे बच्चों के हाथों में मोबाइल होने से वे बहुत कुछ ऐसा देख-सुन रहे हैं, जिससे उनके मन की सुकोमलता-मासूमियत खत्म हो रही है, बचपना छीज रहा है, वे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। इस तरह बच्चों का स्वाभाविक नैसर्गिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे में बच्चों की परवरिश कैसे हो, अभिभावकों को यह समझना बहुत जरूरी है।

गुम होती बचपन की मासूमियत

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

जीवन के सबसे अनमोल पल होते हैं बचपन के। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत और मासूम समय होता है। तभी तो वयस्क होने पर भी हम अपने अंदर के बच्चे को जीवित रखना चाहते हैं, ताकि उसी आनंद का अनुभव कर सकें। लेकिन आज बच्चों का बचपना, उनकी मासूमियत कहीं गुम-सी हो गई है। उनकी सोच और बोल में सयानापन साफ झलकता है।

बदल गया लालन-पालन का तरीका

हर पीढ़ी एक-दूसरे से भिन्न और आगे होती है। एक समय था, जब बड़े-बुजुर्ग छोटे बच्चों को खाना खिलाने के लिए उनके सामने थाली में चावल फैला दिया करते थे। बच्चा अपने तरीके से उसे खाने की कोशिश करता था। थाली के बाहर चावल बिखरे होते थे। वह उन्हें भी चुन-चुन कर खाने का प्रयास करता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। स्मार्टफोन के जमाने में दो से तीन वर्ष के बच्चों के हाथों में भी मोबाइल होता है, जिसे देखते हुए वे

खाना खाते हैं। इतना ही नहीं, खुद माताएं भी स्मार्टफोन में कार्टून या राइम्स लगाकर बच्चों को खाना खिलाती दिखाई दे जाती हैं। फिर चाहे वह घर हो या कोई रेस्तरां। नन्हे-नन्हे नाजुक हाथों में वजनदार मोबाइल फोन अब एक आम बात हो गई है। नतीजा यह हुआ है कि बहुत कम उम्र से बच्चों को मोबाइल फोन देखने की लत लग जाती है। इससे आगे चलकर उनका पूरा व्यक्तित्व प्रभावित होने लगता है।

स्मार्टफोन ने बदला बच्चों का व्यवहार

छह वर्षीय अनिकेत की मां रोशनी को यह समझने में वक्त लगा कि मोबाइल पर वीडियो गेम्स, रील्स आदि की लत के कारण कैसे बेटे का व्यवहार भी क्षण-क्षण बदलता रहता था। जब वह किसी मोबाइल गेम में डूबा रहता था, तो किसी की नहीं सुनता था। पैरेंट्स की हिदायतों को अनसुना करना आम बात हो चुकी थी। परंतु जब वह किसी सामान्य गतिविधि में लिप्त रहता, खेल या ड्राइंग कर रहा होता, तो उसकी बातों और व्यवहार में मासूमियत होती थी। यानी कहीं न कहीं इंटरनेट और सोशल मीडिया से मिलने वाली गैर-जरूरी सूचनाएं, उसके मन-मस्तिष्क पर गहरा असर डाल रही थीं। उसकी बोली में कड़वाहट, गुस्सा और आक्रोश भर रहा था। सहनशक्ति क्या होती है, वह तो उसे मालूम ही नहीं था। रोशनी ने तय किया कि वह बेटे के सामने मोबाइल फोन नहीं देखेगी या कम से कम देखेगी, ताकि उसे कोई गलत संदेश न जाए।

पैरेंट्स को देखकर बनती है आदत

हम सभी जानते हैं कि छोटे बच्चे का मन कच्ची मिट्टी-सा होता है। वे अपने बड़ों और पैरेंट्स को जो भी करते देखते हैं, वैसा ही खुद करने की कोशिश करते हैं। इन दिनों वयस्क किस तरह से मोबाइल फोन की गिरफ्त में हैं, यह सच किसी से छिपा नहीं है। किशोर उम्र बेटे के पिता और फिल्ममेकर अभिजीत सिन्हा कहते हैं, '2010 के आस-पास से बाजार में सस्ते स्मार्टफोन और सेललुर डाटा की उपलब्धता बढ़ती गई। घर-घर में स्मार्टफोन पहुंच गया, बड़ों के साथ बच्चों की दुनिया बदल गई। उनके आपसी रिश्ते बदल गए। संवाद कम हो गया। बच्चे जल्दी

बोर होने लगे और मोबाइल उनका साथी बन गया। ऐसा नहीं है कि उससे पहले बच्चों के पास मनोरंजन के कोई साधन नहीं थे। 80 के दशक में टीवी पर बच्चों को लेकर अनेक शो आते थे, जिनका वे बेसब्री से इंतजार भी करते थे। उन शोज का कंटेंट संस्कार देने वाले और ज्ञानवर्धक होता था। कार्यक्रम बच्चों की उम्र को ध्यान में रख कर तैयार किए जाते थे। उनमें हिंसा, वयस्क थीम की कोई जगह नहीं होती थी। आज इंटरनेट के जमाने में बच्चों के पास हर प्रकार की सामग्री पहुंच जा रही, जो उन पर गलत प्रभाव भी डालती है। वे संवेदनहीन हो रहे हैं।'

शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा छीन रहा बचपन

निजी स्कूल में अंग्रेजी की शिक्षिका अनाइवा की माने, तो छोटे बच्चों की मासूमियत गुम होने का एक और प्रमुख कारण है, शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा। अंकों का दबाव। पहली-दूसरी कक्षा से ही एक प्रतिस्पर्धा सी शुरू हो जाती है। दूसरे बच्चों से तुलना की जाने लगती है। पैरेंट्स ही अपने बच्चों से सवाल करने लगते हैं कि क्लास के अमुक स्टूडेंट ने इतने अच्छे अंक लाए, तो आप क्यों नहीं ला सकते या सकतीं? बच्चों में परीक्षा का डर कुछ ऐसे भर दिया जाता है कि वह खेलना-कूदना या दोस्तों से मिलना-जुलना सब छोड़ देता है। इससे कम आयु में ही व्यक्तित्व में गंभीरता और सयानापन झलकने लगता है। एग्जाम की थोड़ी भी तैयारी कम हुई या टेस्ट में नंबर कम आएं, तो बच्चे इतने अधिक भावुक हो जाते हैं मानो आगे जीवन में करने को कुछ बचा ही न हो। यह सब अभिभावकों और पीयर ग्रुप के दबाव के कारण ही होता है। इससे उनका कोमल मन आहत होता है और वे कुछ कह भी नहीं पाते। मशहूर शायर निदा फाजली कहा करते थे, 'बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो, चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।'

बच्चे को दें मन की करने की आजादी

डॉ.आरती आनंद
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट

21वीं सदी में सब कुछ इतनी जल्दी-जल्दी हो रहा है कि बच्चे खुद ही खुद के अभिभावक बन गए हैं। जो जानकारी अभिभावकों से जाननी चाहिए, वे जानकारी एलेक्सा और सोशल मीडिया से आसानी से मिल जाती है। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चे को बच्चे ही रहने दें। असमय अनावश्यक अपेक्षाएं न पालें। उन्हें खेलने और अपने मन का करने की आजादी दें। अपनी महत्वाकांक्षाओं को कुछ समय किनारे रख, बच्चों के साथ प्यार से बातें करें, समय व्यतीत करें। आज ये सब नहीं हो पा रहा है। एकल परिवारों के पैरेंट्स के पास समय की कमी होती है। यही बच्चों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है और वे छोटी उम्र में बड़े हो जाते हैं।

पति-पत्नी के बीच तकरार-मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन यह लंबे समय तक खींचे, बड़े विवाद को जन्म देकर अलग-अलग होने के रास्ते बनाने लगे तो बात बड़ी चिंता की हो जाती है। जरूरी है पति-पत्नी आपसी संवाद से बढ़ती दरार को पाटें, सामंजस्य बनाएं और मधुरता का समावेश कर, विवाह संबंध को प्रगाढ़ बनाएं।

बढ़ते तलाक के इस दौर में दांपत्य को कैसे बचाए रखें

मैरिड लाइफ
नम्रता नदीम

अपने दांपत्य को बचाए रखने के लिए मैं क्या कर सकती हूं?' शालिनी ने मैरिज काउंसलर से जानना चाहा। वह पैंतीस साल की है, दो बच्चों की मां है, एक बड़ी और नामी कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इस लिहाज से आत्मनिर्भर है। लेकिन अपने वैवाहिक भविष्य को लेकर चिंतित है। बदलते समाज की तस्वीर में जो एक बहुत चिंताजनक स्थिति है, वह यह है कि तलाक की दर में उन समुदायों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है, जिनमें विवाह समझौता (कांट्रैक्ट) नहीं बल्कि ऐसा संस्कार है, जो जन्मों तक कायम रहती है यानी धार्मिक दृष्टि से अटूट है। भले ही विधि ने कुछ शर्तों के साथ तलाक की अनुमति दे रखी है। हालांकि शालिनी की उसी व्यक्ति से शादी हुई है, जिससे वह प्यार करती थी, लेकिन संबंध कब नई करवट ले ले, आज के दौर में कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसलिए शालिनी की चिंता को समझा जा सकता है। अच्छी बात यह है कि शालिनी अपनी शादी को बचाए रखना चाहती है, इसके लिए प्रयासरत है।

जरूरी है समस्या पर करें बात

गौरतलब है कि आत्मीय संबंधों में चिंताओं या समस्याओं पर वार्ता करना आज भी अच्छा नहीं समझा जाता है, लोग संकोच करते हैं या कहें उन्हें इस बात का डर रहता है कि कहीं विवाद और न बढ़ जाए। नतीजतन, जो लोग थोड़ी-सी बातचीत से अपने संबंध सुधार सकते हैं, वे जबरन खामोशी के कारण दुखी, परेशान और तनावग्रस्त रहते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब दो व्यक्तियों में आपस में प्यार होता है तो वह बराबरी के पायदान पर होते हैं। ऐसे में दोनों पार्टनर तय कर सकते हैं कि वह किस तरह से एक-दूसरे को देखें-समझें और व्यवहार करें। दोनों ही अपने संबंध को मिलकर सींचते हैं। यह बहुत जरूरी होता है। अनेक संबंध इसलिए खटाई में पड़ जाते हैं कि एक व्यक्ति को उस तरह से समझा या व्यवहार नहीं किया जाता, जिस तरह से वह चाहता है। ऊपर हम जिस शालिनी की बात कर रहे हैं, उसने यह सब कुछ देखा है। कॉलेज के दिनों में उसका एक दोस्त था, जो उसकी परवाह नहीं करता था। लेकिन शालिनी इस संबंध में इतने लंबे समय तक फंसी रही कि अन्य प्यार भरे विकल्पों को उसने तलाश ही नहीं किया।

संबंध बचाए रखने के तीन आसान रास्ते

विवाह या दांपत्य संबंध को बचाए रखने के लिए तीन बहुत ही आसान रास्ते हैं। अकसर नुकसान लापरवाही से होता है बजाय जान-बूझकर की गई क्रूरता से। इसलिए तीन बातों का ध्यान रखें।

जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें: पहली बात, अपने जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें। याद करें, आप जब अपनी शादी के शुरुआती दिनों में अपने पति

के फोन में 'फेवर्ड' सूची सबसे पहले देखा करती थीं, आपको एक सुख की अनुभूति होती थी कि ऐसी लिस्ट में आपका नाम सबसे पहला होता था। फोन लिस्ट लगभग बेवकूफी का पैमाना प्रतीत हो सकती है, लेकिन अगर आप दोनों अलग-अलग तरह से एक-दूसरे की वरीयता सूची को टॉप पर नहीं रखेंगे, तो इससे एक प्रकार का असंतुलन दिखेगा जो मधुर संबंध के लिए सही नहीं है।

ध्यान देकर सुनें: दूसरा रास्ता है ध्यान दें। जब एक ही पार्टनर ध्यान दे रहा हो तो क्या अनकही बातों को सुना जा सकता है, नहीं। इसलिए सुनें। तारीफ करने के लिए समय निकालें। इससे दोनों पार्टनर खुश रहते हैं।

एक-दूसरे को स्पेस दें: तीसरा और अंतिम रास्ता है कि एक-दूसरे को स्पेस दें। यह हो सकता है कि पार्टनर अब उतना अधिक चिंतित न होता हो, जितना आपकी शुरुआती मुलाकातों में हुआ करता था। इस नई स्थिति में आपकी प्रतिक्रिया बेचैनी या गुस्से वाली नहीं होनी चाहिए बल्कि हालात में, बातचीत में और समझौतों में भावुकता होनी चाहिए। इसका अर्थ होता है कि आप अपने पार्टनर को अच्छी तरह से समझती हैं। यानी, दांपत्य को प्रगाढ़ बनाने के लिए आप दोनों का साझा प्रयास जरूरी है।

घर पर ही करें पेडीक्योर पैर दिखेंगे सॉफ्ट-अट्रैक्टिव

स्किन केयर
नीलोफर

अपने चेहरे को सुंदर बनाए रखने के लिए तो हम कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार अपनी कोहनियों, घुटनों, पैरों की सुंदरता को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि हमारे ओवरऑल लुक में सिर से पैर तक सभी का महत्व होता है। अगर पैरों की देख-भाल के प्रति जरा भी लापरवाही बरतेंगी तो ये भद्दे, रूखे और अनाकर्षक लगते हैं।

करें प्रॉपर केयर: शरीर के हर अंग की सफाई के साथ-साथ पैरों की त्वचा की देखभाल भी बहुत जरूरी है। पैरों की फटी एड़ियां, गंदे नाखून, जगह-जगह से कटे हुए नाखून पैरों के प्रति हमारी लापरवाही को प्रदर्शित करती है, जिसका हमारे व्यक्तित्व पर बुरा असर होता है। हाथों और पैरों की सुंदरता के लिए सैलून जाकर ज्यादा पैसे खर्च करने की बजाय आप घर पर ही मेनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं।

रिमूव करें नेल पॉलिश: पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले नाखूनों को अच्छी तरह काट लें और इन पर लगी हुई नेल पॉलिश को, नेलपॉलिश रिमूवर से साफ कर लें। इसके बाद इस पर फुट क्रीम लगाएं।

मसाज: पैरों की साफ-सफाई के बाद उसकी त्वचा को चमकीला बनाने के लिए मॉयश्चराइजर लेकर पैरों पर हल्की मसाज करें। इसके लिए आप इलेक्ट्रिक फुट मसाजर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। पैरों की मसाज के बाद इसकी चिकनाहट को किसी कॉटन से साफ कर लें।

डेड स्किन हटाएं: नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद पैरों को पानी में भिगोएं। गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक डालकर उसमें थोड़ा शैंपू मिलाएं और कम से कम 10 मिनट पैरों को उसमें भिगोएं। ऐसा करने से नाखूनों के आस-पास की त्वचा नरम हो जाती है। अब पैरों को बाहर निकालकर पोंछ लें और इन्हें अच्छी तरह रगड़कर साफ करें। इससे डेड स्किन निकल जाती है।

नेल्स ट्रिमिंग: अपने नेल्स को अगर आप लंबे रखना चाहती हैं तो उनकी अच्छे से ट्रिमिंग करें। फुट फाइलर की मदद से नाखूनों के किनारों को साफ करें और प्यूमिक स्टोन से अपनी एड़ियों को रगड़कर साफ करें, जिससे डेड स्किन की सफाई हो सके।

नेल पॉलिश लगाएं: पेडीक्योर करने के बाद नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने से पहले एक बेस कोट लगाएं। इसके सूखने के बाद अपनी मनपसंद कलर की नेल पॉलिश लगाएं। जब पहला कोट सूख जाए, तब दूसरा कोट लगाएं। जब दूसरा कोट सूख जाए, उसके बाद नेल पॉलिश को कवरेज देने के लिए एक हल्का कोट लगाएं और इसे भी अच्छी तरह सूखने दें।

आजकल लोग घूमने के लिए एकसाथ ग्रुप टूर पर भी निकलते हैं। इस तरह की जर्नी के पीछे यही उद्देश्य होता है, रुटीन बिजी लाइफ से अलग थोड़ा एंज्वॉयमेंट हो जाए, एक ताजगी महसूस हो। आपका ग्रुप टूर सुहाना रहे, यादगार बने, इसके लिए जरूरी है आप कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

ग्रुप टूर के दौरान याद रखें कुछ एटिकेट्स

सजेशन
पूर्ति खरे

यात्राएं हमें नए अनुभव, ज्ञान और आनंद प्रदान कराती हैं। चूंकि यात्राएं हमें तरोताजा कर देती हैं, रोजमर्रा के कामों से बोर हो रही जिंदगी में उत्साह-उमंग पैदा करती हैं, इसलिए समय-समय पर हमें यात्राएं करते रहना चाहिए, चाहे परिवार के साथ या परिचितों के साथ ग्रुप में। लेकिन किसी भी तरह की यात्रा के दौरान खासतौर से ग्रुप टूर में हमें कुछ एटिकेट्स यानी शिष्टाचार का पालन जरूर करना चाहिए। यदि हम सफर के दौरान नीचे बताए गए कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो हम अपना ही नहीं, अपने साथी यात्रियों का सफर भी सुहाना बना देंगे। यदि आप भी अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों या दोस्तों के साथ टूर की तैयारी कर रही हैं तो इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें-

घर जैसा व्यवहार न करें: जब हम ग्रुप में लंबी जर्नी कर रहे होते हैं, तो जगह-जगह होटल, धर्मशाला या लॉज में रुकते हैं। याद रखें, साथ रुकने वाले लोग आपके घर के सदस्य नहीं हैं, इसलिए इनके साथ एकदम घर जैसा व्यवहार करने से बचना चाहिए। हमें दूसरों के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना चाहिए। सामान्य शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। दूसरों के साथ कमरा साझा करने से पहले उनकी अनुमति जरूर ले लेनी चाहिए।

साफ-सफाई का ख्याल रखें: ग्रुप टूर के दौरान हमें अपने आस-पास की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। हमें कूड़ा-कचरा सही जगह पर फेंकना चाहिए, दूसरों के साथ कोई खाने की चीज साझा करने से पहले अपने हाथ जरूर धो लेने चाहिए।

दूसरों का सम्मान करें: कभी-कभी ग्रुप टूर के दौरान हमारे साथ दूसरी संस्कृति, परंपरा और भाषा के लोग होते हैं। हमें सबसे प्रेम से पेश आना चाहिए, उनका सम्मान करना चाहिए। हमें दूसरों के साथ बातचीत करते हुए उनकी जरूरतों को पूरा करने का भी हर संभव प्रयास करना चाहिए।

खान-पान का ध्यान रखें: यात्रा के दौरान हमें अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। हमें स्वच्छ-स्वस्थ भोजन करना चाहिए। दूसरों के साथ भोजन साझा करने से पहले यह जान लेना चाहिए कि वे ऐसा चाहते भी हैं या नहीं? हमें साथ में खाना खाते समय शिष्टता का पूरा ध्यान रखना चाहिए। अकेले में खामोशी से नहीं, एक-दूसरे से बातचीत करते हुए लंच या डिनर करना चाहिए।

अपने सामान का खुद रखें ध्यान: ग्रुप टूर के समय साथ में बहुत से लोग होते हैं, ऐसे में हमें अपने सामान का ध्यान रखना चाहिए, उसे सुरक्षित रखना चाहिए। साथ ही हमें दूसरे जगह पर निकलने से पहले अपने सामान को सही तरीके से पैक करना चाहिए। यात्रा के दौरान साथी यात्रियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

किसी भी सहयात्री को न हो परेशानी: ग्रुप टूर करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आपके कारण किसी को कोई तकलीफ-परेशानी नहीं हो। आप शिष्टाचार का पालन करके, सबके साथ अपना स्नेह-प्रेम भरा व्यवहार करके अपनी जर्नी को सुखद और यादगार बना सकती हैं। यात्रा के दौरान हमें अपने अनुभवों को साझा करना चाहिए, दूसरों के साथ अच्छे रिश्ते बनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे आपकी यात्रा मीठी यादों से भर उठेगी।

महिलाओं में पीसीओडी समस्या हार्मोनल डिसऑर्डर की वजह से होती है। ऐसा किन वजहों से होता है, पीसीओडी के मुख्य लक्षण क्या हैं, इससे बचाव और उपचार के तरीके के बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल से बढ़ती है पीसीओडी की प्रॉब्लम

मेडिकल एडवाइस
डॉ. श्वेता मेंदिरत्ता
एचओडी-ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी
मैरिंगो एशिया अस्पताल, एनसीआर

पीसीओडी की प्रॉब्लम को पॉलीसिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर कहते हैं। यह एक हार्मोनल डिसऑर्डर है। यह प्रॉब्लम 15 से 45 साल की उम्र तक की महिलाओं में किसी भी उम्र में हो सकती है। लेकिन जब प्यूबर्टी के बाद मेनार्की स्टेज यानी जब उन्हें पीरियड्स शुरू होते हैं, उस समय ज्यादा देखने को मिलता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में तकरीबन 20-25 प्रतिशत महिलाओं को पीसीओडी की प्रॉब्लम है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब महिलाओं के शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं तो पीसीओडी की प्रॉब्लम देखने को मिलती है। कहने का मतलब है कि उनके शरीर में फीमेल हार्मोंस एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के बजाय मेल हार्मोंस टेस्टोस्टेरोन और एंड्रोजन का लेवल बढ़ जाता है। इससे उनकी ओवरी से हर महीने रिलीज होने वाले अंडे की प्रक्रिया गड़बड़ा जाती है। पूरी तरह मैच्योर न होने के कारण अंडे का ओवोल्यूशन नहीं हो पाता। इससे महिला का पीरियड साइकल अनियमित हो जाता है। अपरिपक्व अंडे ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट के रूप में बदल

जाते हैं, जिसकी वजह से महिला को कई तरह की प्रॉब्लम्स फेस करनी पड़ती हैं।

पीसीओडी के प्रमुख लक्षण: पीसीओडी को आप कुछ लक्षणों से पहचान सकती हैं, जैसे- पीरियड्स समय पर न आना, चेहरे पर अनचाहे बाल आना, सिर के बाल झड़ना, पिंपल्स होना, वजन बढ़ना और मूड स्विंग होना। आगे चलकर महिला में एनोव्यूलेशन की प्रॉब्लम हो सकती है, जिससे गर्भधारण में समस्या या इंफर्टिलिटी का खतरा भी हो सकता है। यहां बताए गए लक्षण दिखने पर आपको जल्द से जल्द स्त्री रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

पीसीओडी होने के कारण:
- अनियमित दिनचर्या, समय पर खाना न खाना, देर से सोना।
- रेग्युलर एक्सरसाइज न करना।
- जंक फूड या प्रोसेस्ड फूड, ऑयली डाइट का ज्यादा सेवन।
- रूटीन लाइफ में स्ट्रेस में रहना।

ऐसे होता है डायग्नोज: आमतौर पर महिला के फिजिकल चेकअप से ही डॉक्टर पीसीओडी को डायग्नोज कर लेते हैं। ओवरी सिस्ट की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड और हार्मोन लेवल का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट किए जाते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: पीसीओडी की समस्या को बढ़ने से रोकने के लिए मुख्य रूप से

प्रिवेंटिव केयर स्ट्रेटजी यानी लाइफस्टाइल में बदलाव पर जोर दिया जाता है। महिला को सख्ती से हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने, संतुलित-पोषक आहार का सेवन करने और वजन कंट्रोल करने की हिदायत दी जाती है। मरीज की स्थिति के हिसाब से नॉन-हार्मोनल दवाइयां दी जाती हैं, सुधार न आने पर हार्मोनल दवाइयों का कोर्स भी दिया जाता है।

बचाव है संभव: इन बातों पर करें अमल-
- पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित और सुपाचय आहार लें, जिसमें कार्बोहाइड्रेट और वसा के अलावा पर्याप्त मात्रा में फाइबर, विटामिंस और प्रोटीन हो।
- रिफाइंड खाद्य पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड जूस जैसी हाई शुगर ड्रिंक्स, ऑयली, प्रोसेस्ड और जंक फूड को खाने से बचें।
- फल, सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मल्टीग्रेन और सूखे मेवों को आहार में शामिल करें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

भिवानी। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

खो-खो में गीतांजलि स्कूल की टीम को हराया

चरखी दादरी । बीसीएम वमा विद्यालय रानीला में रविवार को जिला स्तरीय सब जूनियर लड़के व लड़कियों की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ हरियाणा खो-खो संघ के पूर्व महासचिव सुभाष रुहिल, जसवंत हुड्डा, भगतसिंह डीपीई ने संयुक्त रूप से किया। जानकारी देते हुए एमेच्योर खो-खो संघ दादरी के महासचिव विजेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में पहुंचे बौंद थाना के एसएचओ सतबीर सिंह, खो खो संघ दादरी के प्रधान अमित बिगोवा ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया और एसएचओ सतबीर सिंह ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित किया और नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में लड़कियों का फाइनल मैच बीसीएम स्कूल और गीतांजलि स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें बीसीएम स्कूल रानीला की टीम विजय रही। दूसरे स्थान पर गीतांजलि स्कूल और तीसरे स्थान पर राजकीय विद्यालय ऊण की टीम रही। इसी प्रकार लड़कों के वर्ग में प्रथम स्थान पर राजकीय विद्यालय ऊण की टीम रही, दूसरे स्थान पर डीआरके स्कूल और तीसरे स्थान पर बीसीएम स्कूल रानीला की टीम रही। प्रतियोगिता के पुरस्कार समारोह में पधारे बीसीएम स्कूल के प्रधान जयभगवान शास्त्री, सूरजमल धनखड़ ने सभी विजेता टीमों को मेडल देकर सम्मानित किया और खेलों में ज्यादा से ज्यादा बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप हुए रोमांचक मुकाबले

लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने वेस्ट बंगाल को 20-9 के अंतर से हराया

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में नेट में बॉल डालने का प्रयास करते हुए व खेल मैदान में उपस्थित खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा जिला के गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आयोजित करवाई जा रही चार दिवसीय 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान लड़के व लड़कियों दोनों ही टीमों के रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां सभी टीमें प्रतिद्वंदी को हराने के लिए पूरी जी-जान लगाकर खेली तथा अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान बतौर मुख्यअतिथि नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर बालाजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा, टूर्नामेंट कमेटी के कन्वीर लक्ष्मण, टैक्नीकल कमेटी चेयरमैन अशोक आनंद, टैक्नीकल कमेटी कन्वीर विक्रमादित्य पहुंचे तथा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने वेस्ट बंगाल को 20-9 के अंतर से, दिल्ली ने छत्तीसगढ़ को 24-23 के अंतर से तथा तमिलनाडु ने कर्नाटक को 20-18 के अंतर से हराया। वही लड़कियों के वर्ग में मध्यप्रदेश ने वेस्ट बंगाल को 14-13 के अंतर से, राजस्थान ने पंजाब को 25-11 के अंतर से हराया। इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी खेल को खेल की भावना से ही खेले। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि खेल में अपनी हार से हताश होने की बजाए कमियां ढूढ़े तथा भविष्य में उन कमियों को दूर कर और भी बेहतर करने का प्रयास करें। सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी।

भिवानी। मरीजों को नि:शुल्क उपचार एवं दवाइयों की किट देते हुए।

टीबी की बीमारी से पाया जा सकता है छुटकारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकार देश व प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए योजनाएं चलाए हुए है, जिसके तहत टीबी के मरीजों को निःशुल्क उपचार एवं दवाईयां दी जाती है, ताकि टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकें। सरकार के इस अभियान के सहयोग में जेसीआई भी उतर आई है तथा बीते दिनों टीबी के 10 मरीजों को गोद लेकर लगातार 6 माह तक उनकी देखभाल कर उन्हे टीबी मुक्त बनाए जाने का फैसला लिया गया था। इसी कड़ी में जेसीआई भिवानी ने सोमवार को निक्षय मित्र अडॉप्ट टीबी पेसेंट अभियान की शुरूआत चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल से टीबी मरीजों को पोषण वितरित कर की। इस कार्यक्रम में चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रघुबीर शांडिल्य एवं उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे तथा जेसीआई भिवानी के इस अभियान की सराहना की। इस मौके पर सीएमओ डा. रघुबीर शांडिल्य ने कहा कि टीबी कोई लाईलाज बीमारी नहीं है। सही इलाज व जागरूकता से टीबी की बीमारी से पूरी तरह से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को कम से कम दो माह तक मास्क पहनना जरूरी होता हे। टीबी की जांच के लिए अस्पताल आए और नियमित दवा के सेवन करें।

आंबेडकर प्रोफेसर्स एसो. की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। चयनित पदाधिकारियों को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित करते हुए।

अंबेडकर प्रोफेसर्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की छठी वार्षिक आम बैठक रविवार को अम्बेडकर हाल, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन दो सत्रों में किया गया। बैठक की शुरुआत पंच शील के साथ और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ की गई। इसके बाद वर्तमान कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष डॉ रेनू बाला ने हरियाणा के विभिन्न राजकीय, राजकीय सहायता प्राप्त और विश्वविद्यालयों से आए सभी अतिथियों का स्वागत किया और एसोसिएशन के कार्यक्रमों पर विस्तार से बताया गया। इसके बाद संगठन के कार्यकारी महासचिव प्रोफेसर शमशेर ने संगठन की वार्षिक गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अवगत करवाया। कोषाध्यक्ष प्रोफेसर रविकांत ने संगठन की ऑडिट रिपोर्ट और आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

जूनियर्स ने सीनियर्स को दी विदाई पार्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

भुरटाना के राजकीय उच्च विद्यालय में कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। विदाई समारोह में नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने दसवीं के विद्यार्थियों को आकर्षक टाइटल और उपहार भेंट किए। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भी अध्यापकों को टाइटल देकर अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें पंजाबी नृत्य, हरियाणवी लोकनृत्य, म्यूजिकल चेयर, और समयबद्ध गुब्बारे फुलाने जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। इन कार्यक्रमों ने सभी उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। विद्यालय इंचार्ज सज्जन कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विदाई समारोह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि भावनाओं का एक अनमोल संगम है। विद्यालय से जाने के बाद भी विद्यार्थी हमेशा विद्यालय की गरिमा को बनाए रखें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। अंग्रेजी अध्यापक विजय जांगड़ा ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र देते हुए कहा, ष्कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से ही जीवन में ऊँचाइयों को छूया जा सकता है। हमेशा सकारात्मक सोचें और अपने सपनों को साकार करें। हिन्दी अध्यापक रवि काजल ने विद्यार्थियों को भावुक शब्दों में विदाई देते हुए कहा, ष्जीवन एक यात्रा है और यह विदाई उसका एक पड़ाव। विद्यालय की शिक्षाएँ हमेशा आपके मार्गदर्शन में सहायक रहेंगी। विज्ञान अध्यापक पुनित सागर ने कहा, जीवन में चुनौतियाँ अवश्य आएंगी, लेकिन उनका सामना दृढ़ता और धैर्य से करें। विज्ञान की तरह ही हर समस्या का समाधान खोजा जा सकता है।

भिवानी। भुरटाना के राजकीय उच्च विद्यालय में कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए एक विदाई समारोह के आयोजन में उपस्थिजन

त्रिभाषी सूत्र से संस्कृत के प्रचार के साथ-साथ बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : प्राचार्या

- श्रीहरियाणा शेखावटी ब्रह्मचार्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में मनाई खुशी
- त्रिभाषी सूत्र लागू होने से संस्कृत व संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। संस्कृत को अनिवार्य विषय घोषित करने पर विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाते हुए।

संस्कृत देश की प्राचीनतम भाषा है, जिसमें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, योगसूत्र, आयुर्वेद, ज्योतिष और अन्य शास्त्रों का ज्ञान संचित है। इसका संवर्धन हमारी जड़ों को समझने और संस्कृति को संरक्षित करने में सहायक होगा। ऐसे में हरियाणा हरियाणा व शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में त्रिभाषी सूत्र लागू करने से अब बच्चें संस्कृत भाषा को पढ़ पाएंगे, जिससे ना केवल संस्कृत, बल्कि संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में त्रिभाषी सूत्र लागू करने पर सोमवार को महम गेट स्थित श्रीहरियाणा शेखावटी ब्रह्मचार्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में एक-दूसरे को मिठाई बांटकर खुशी मनाई । इस मौके पर प्राचार्या सुमन शर्मा ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में 9वीं व 10वीं कक्षा के लिए पहले 6 विषय अनिवार्य थे, लेकिन अब त्रिभाषी सूत्र लागू होने से संस्कृत, उर्दू या पंजाबी विषय में विद्यार्थियों को एक का चयन करना ही होगा। उन्होंने कहा कि त्रिभाषी सूत्र लागू होने से अब 9वीं व 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को भी संस्कृत भाषा पढने का मौका मिलेगा। वही दूसरी तरफ संस्कृत के ज्ञान से शिक्षक, अनुवादक, शोधकर्ता, पुरातत्ववेत्ता और योगाचार्य जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों में संस्कृत अध्ययन की बढ़ती रुचि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके जानकारों की मांग भी बढ़ेगी। इस मौके पर सुनील शास्त्री ने कहा कि संस्कृत ना केवल भारत की प्राचीन संस्कृति और ज्ञान का स्रोत है, बल्कि यह विज्ञान, दर्शन, साहित्य और व्याकरण की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध भाषा है।

आंदमपुर मंडी में आढ़तियों की हड़ताल, नहीं खरीदी फसलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी आदमपुर

मार्केट कमेटी सचिव राहुल यादव को बदलने की मांग को लेकर अनाज मंडी में सोमवार भी हड़ताल रही तथा जींसों की बोली नहीं हुई। व्यापारियों को आरोप है की मार्केट कमेटी सचिव व्यापारियों को नजायज तंग कर रहे हैं तथा रिश्वत देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। व्यापारियों की कोई सुनाई नहीं कर रहे हैं।

व्यापार मंडल प्रधान नवीन बेनीवाल, उप प्रधान संदीप गोयल, सचिव कमल बंसल ने कहा कि मार्केट कमेटी सचिव अपनी मनमानी कर रहे हैं तथा व्यापारियों से रिश्वत की मांग कर रहे हैं। प्रधान ने अपने साथ मार्केट कमेटी सचिव द्वारा दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटी सचिव व्यापारियों व पदाधिकारीयो को सम्मान देने की बजाय उनका अपमान कर रहे हैं एवं उन द्वारा मांगने पर जानकारी नहीं दी जा रही है।

आरोप निराधार: सचिव

मार्केट कमेटी सचिव राहुल यादव ने कहा कि वे ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं तथा व्यापारी टैक्स चोरी करना चाहते हैं लेकिन टैक्स चोरी नहीं करने दिया जाएगा। चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 15 मार्च से सरसों की खरीद शुरू हो रही है तथा किसानों को लूटने नहीं देंगे क्योंकि व्यापारी सस्ते में सरसों खरीद कर सरकारी भाव में सरकार को सरसों बेच देते हैं जिससे किसानों का सरकार दोनों को नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि व्यापारी जहां भी मुझे बुलाना चाहे मैं आने को तैयार हूं तथा कार्यालय में भी किसानों व व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर कार्य दिवस को कार्यालय समय उपलब्ध हूं ।

बुजुर्गों का सम्मान करने से बच्चों में पैदा होते संस्कार: उपायुक्त

- कैरियर प्लेनेट स्कूल में मनाया शिक्षा महोत्सव, विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। कैरियर प्लेनेट स्कूल में शिक्षा महोत्सव पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

कैरियर प्लेनेट स्कूल में शिक्षा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में उपायुक्त महावीर कौशिक ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि उपायुक्त महावीर कौशिक, प्राचार्या सुमन श्योराण व स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य संजीव कुमार, यतेन्द्र नाथ व छोटूराम ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया। प्राचार्या व प्रबंधन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके पश्चात अध्ययन और खेलकूद क्षेत्र में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मुख्यतिथि उपायुक्त महावीर कौशिक ने ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गीतों पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किए। समारोह में सेवानिवृत्त प्राचार्य, बच्चों के बुजुर्ग दादा-दादियों को स्वर्ण पदक व चुनरी भेंटकर सम्मानित किया। गत तीन वर्षों में स्कूल प्राचार्या सुमन श्योराण ने 1100 बुजुर्गों को सम्मानित किया है। मुख्यतिथि कौशिक ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। बुजुर्गों के सम्मान से बच्चों में अच्छे संस्कार पैदा होते हैं, हमें बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी प्रदान करने चाहिए।

खुशहाली की ओर बढ़ रहा हरियाणा का किसान: डॉ. अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी। किसान सम्मान निधि योजना के कार्ड वितरित करते मंत्री अरविंद शर्मा।

हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां सभी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर खरीदा जाता है और हरियाणा सरकार किसानों की आय को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। सहकारिता विभाग के साथ काम करके किसान ओर भी अधिक लाभ कमा सकता है, ये बात प्रदेश के सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दादरी में आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। कृषि विभाग के कार्यालय के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित किसानों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों को लाभ प्रदान किया जा रहा है और किसानों से संबंधित सभी विभागों माध्यम से उनको लाभ प्रदान करने के सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के किसानों को पीएम किसान सम्मान योजना के तहत 22 हजार करोड़ रूपये की किस्त जारी कर रहे हैं। केन्द्र व हरियाणा सरकार किसानों की खुशहाली के लिए सकारात्मक सोच के साथ लगातार प्रयास कर रही है। पहले के मुकाबले आज परिवारों के विस्तार के चलते खेती की जोत घट रही है, जिसकारण खेती का मुनाफा भी बंट जाता है, ऐसे में सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है, जिनको अपनाकर खेती में नवाचार कर लाभ को बढ़ाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती ऐसा ही नवाचार है और इसकी अब जरूरत भी है। इसकी खास बात ये हैं कि इसमें उपज नहीं घटती और प्राकृतिक उत्पादों का मूल्य भी आम उत्पादों से अधिक मिलता है। मंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश को वर्ष 2047 तक विकसित करना चाहते है और इस काम में देश के किसानों का सबसे बड़ा योगदान होगा।

कार्यक्रम | स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर बांधा समां

एनएसएस स्वयंसेवकों को सामाजिक जीवन में प्रवेश करने को प्रशिक्षित करने का बेहतर माध्यम: अजय

स्वयंसेवकों ने द्रोपदी चीरहरण शीर्षक लघु नाटिका से नारी के अपमान को बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एनएसएस शिविर के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते स्वयंसेवक।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को सामाजिक जीवन में प्रवेश करने के लिए प्रशिक्षित कर उनमें अनुशासन के भाव को पैदा करती है। वास्तव में ये स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का बेहतर माध्यम है, ये बात जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर में चल रहे वैश्य महाविद्यालय के सात दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन पर बतौर मुख्यतिथि वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि युवावर्ग को संस्कृति से जुड़ना आवश्य है। एनएसएस युवाओं में संस्कृति को संजोने में लगा हुआ है। समारोह अध्यक्षा सीबीएलयू की रजिस्ट्रार डॉ. भावना वशिष्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवा वर्ग को सेवा करने का जज्बा पैदा करता है। शिविर के समापन समारोह का शुभारंभ मुख्यतिथि गुप्ता, विवि रजिस्ट्रार डॉ. भावना, महंत चरणदास, लिटिल हार्ट्स ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. पवन गोयल, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, प्रोफेसर सविता जैन, डॉ. प्रोमिला सुहाग, एनएसएस प्रभारी डॉ. कामना कौशिक ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। प्राचार्य डॉ. गोयल ने कहा कि आज के तनावपूर्ण वातावरण में ऐसे कैंपो की बहुत सख्त जरूरत है। शिविर के समापन पर मंच संचालन स्वयंसेविका छवि ने किया। शिविर के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में जिज्ञासा ने पंजाबी भजन अंतर्यामी नू दसा की हाल दिल का गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। स्वयंसेवक राहुल ने देशभक्ति रैप गीत के माध्यम से फौजी के जीवन का मार्मिक चित्रण प्रस्तुति किया। आरती ने देशभक्ति गीत तलवारों पर सिर वार दिए गाकर सबको भाव विभोर कर दिया। स्वयंसेवकों बबीता, कुनाल, साहिल, अमन, रेशमा, प्रियांशु आरती ने द्रोपदी चीरहरण शीर्षक की लघु नाटिका प्रस्तुत कर प्राचीन काल पर स्त्रियों के जीवन पर कटाक्ष किया। संस्कृति ने प्रभु श्रीराम के जीवन को उकेरती कविता सुनाई। इस अवसर पर डॉ. श्रुति रानी, डॉ. मोहनलाल, डॉ. विष्णुकांत, डॉ. सुरुचि गुप्ता, प्रोफेसर रिंकू पंघाल, प्रोफेसर पूजा राठी, राष्ट्रपति अवॉर्डी अशोक भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बवानीखेड़ा। महाशिव रात्रि महोत्सव एवं संपूर्ण स्वस्थ रहने की कला पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन में उपस्थितजन।

मानसिक तनाव से मुक्ति के तरीके बताए

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महाशिव रात्रि महोत्सव एवं संपूर्ण स्वस्थ रहने की कला पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डायबिटिज स्पेशलिस्ट डॉ. श्रीमंत साहू ने बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। तत्पश्चात डॉ. श्रीमंत साहू द्वारा ओम बीज महामंत्र, ओम ध्वनि,ओम ध्वनि से शारीरिक व मानसिक तनाव से मुक्ति सहित अपने विचारों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया।

समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधानः डीसी

भिवानी। लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त महावीर कौशिक ने आमजन की शिकायतों को सुना। उन्होंने मौके पर समाधान होने वाली शिकायतों को त्वरित निपटाया और शेष शिकायतों के लिए अधिकारियों को अतिशीघ्र प्राथमिकता के साथ समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री चौतरफा विकास के लिए गंभीरता : जयसिंह

भिवानी। वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी प्रदेश के समुचित एवं चौतरफा विकास के लिए गंभीरता से कार्य कर रहे है। जिसका उदाहरण राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर भिवानी में नवनिर्मित मैडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना करने की मांग करके एक बार फिर से दिया है। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का यह कदम भिवानी के समुचित विकास की सोच को दर्शाता है। जिसके लिए वे आभार की पात्र है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी

सभी नहरों में टेल तक पूरा पानी पहुंचाया जाएगा :श्रुति चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

- सरकार ने किसान हितों में 24 फसलें एमएसपी पर खरीदने का लिया फैसला, भावांतर भरपाई योजना के तहत दिया किसान को लाभ और हजारों करोड़ रूपए की दी कृषि बिजली सब्सिडी
- तोशाम के पंचायत भवन में आयोजित किसान सम्मेलन के जिला स्तरीय कार्यक्रम में श्रुति चौधरी ने शिरकत की बतौर मुख्यातिथि

तोशाम। आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित लोगों को संबोधित करती महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ।

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि भाजपा पहली सरकार है, जिसने किसान हित में अनेक नीतियां बनाकर डीबीटी के माध्यम से सीधा किसानों के खाते में पैसा डाला है। देश में सर्वाधिक प्रदेश के किसानों की 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। किसान हित में भावांतर भरपाई योजना लागू की गई है। किसानों को हजारों करोड़ रूपए की कृषि संबंधित बिजली में सब्सिडी दी गई है। सरकार ने कृषि, बागवानी, मछली पालन तथा नहरों के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग का बजट बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि लोगों को पेयजल और किसान की खेत में सिंचाई के लिए नहरों में टेल तक पूरा पानी पहुंचाया जाएगा।

27 करोड़ 17 लाख से अधिक की राशि डाली

महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी तोशाम के पंचायत भवन में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार प्रदेश के भागलपुर में आयोजित किसान सम्मेलन के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की है। देशभर के करोड़ों किसानों के खाते में हजारों करोड़ की राशि सीधे खाते में ट्रांसफर की।

कार्यक्रम के दौरान जिला भिवानी के करीब एक लाख 35 हजार से अधिक किसानों के खाते में किसान सम्मन निधि योजना के तहत 27 करोड़ 17लाख से अधिक की राशि डाली गई। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की किसान हितैषी प्रमुख योजना है। जो कि फरवरी 2019 में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पात्र भूमि धारक किसानों को प्रति वर्ष 6000 रूपये की वितीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।

स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल ने किसान हित में लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम को लागू किया

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल ने किसान हित में लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम को लागू किया और जिसका पूरे भारतवर्ष में अनुसरण किया गया। इसी प्रकार पूर्व कृषि मंत्री चौधरी सुरेंद्र सिंह ने अपने 20 दिन के कृषि मंत्री के कार्यकाल में अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए थे उनमें से एक भू राजस्व रिकॉर्ड को कंप्यूटरीकृत करना आदि की पूरे देश में अनुसरण किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना महत्वकांशी योजना है यह योजना किसान हित के विश्व की सबसे बड़ी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और सशक्त नेतृत्व में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सफल छह वर्ष पूरे हुए हैं। यह योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्नदाताओं के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है। पिछले 10 वर्षों में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

तिलक लगाकर छात्राओं दिए रोलनंबर

- श्रीमती उत्तमी बाई विद्यालय में रोल नंबर वितरण के मौके पर हुई बारहवीं कक्षा की कैरियर काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। छात्राओं को तिलक लगाकर परीक्षा की शुभकामनाएं देते हुए।

श्रीमती उत्तमी बाई आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हवन पूजन के साथ कक्षा दसवीं व बारहवीं की छात्राओं को प्राचार्या अनीता बासोतिया ने तिलक लगाकर व मिश्री खिलाकर बोर्ड परीक्षा की शुभकामनाएं दी व कक्षा अध्यापिकाओं ने रोल नंबर वितरित किए।

इस अवसर पर विद्यालय में सेठ किरोड़ीमल चैरिटी ट्रस्ट द्वारा संचालित के.एम कॉलेज ऑफ एजुकेशन की टीम ने बारहवीं कक्षा की छात्राओं के लिए काउंसलिग की। टीम प्रमुख यतिन गोयल हेड कम असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एंड कम्प्यूटर एप्लीकेश लीना और हिमानी ने अपने डिग्री कॉलेज में शुरू किए गए नए कोर्सेस की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि के.एम कॉलेज में बी.बी.ए, बी.सी.ए और बी.कॉम आदि कोर्सेस शुरू किए गए है जोकि चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी से नियमित रूप से सुचारू है। उन्होंने बताया कि इन कोर्सेस में दाखिला लेकर अपने कौशल और योग्यता को विकसित कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। अंत में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सतप्रकाश गिरधर, सचिव सी.पी चावला, आशा अवस्थी, प्राचार्या अनीता बासोतिया ने बारहवीं कक्षा की छात्राओ को शुभकामनाएं दी व के.एम कॉलेज की टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की करियर काउंसलिंग से छात्राओं का सही मार्गदर्शन होता है। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हीरालाल के परिजनों को ढांढस बंधाया

भिवानी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी जिला कमेटी भिवानी ने पुरानी अनाज मण्डी में बंसल किरयाना स्टोर की उपरी मंजिल पर रात को लगी आग में स्टोर मालिक हिरालाल की मृत्यु पर गहरा दुखः प्रकट करती है , आग में हीरालाल के पुत्र जितेन्द्र भी घायल हो गये , जिनको मेडिकल कालेज रोहतक इलाज के लिए भेजा गया। पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व सचिव मण्डल सदस्य सुखदेव पालवास ने प्रातःकाल पुरानी अनाज मण्डी में घटनास्थल पर जाकर घटना की पूरी जानकारी ली तथा बाद में नागरिक हस्पताल में जाकर मृतक हीरालाल के परिजनों को हार्दिक संवेदना प्रकट की तथा उन्हें ढांढस बन्धाया। उन्होंने मांग की है कि पीड़ितपरिवार को न्यायोचित मुआवजा दें।

ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

भिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन द्वारा पीडब्ल्यूएडी रेस्ट हाउस पंचकुला में वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। जिसमे भिवानी से परमहंस एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित एच.के.सी.एल. कंप्यूटर सेंटर, फैंसी चौक रोहतक गेट भिवानी को कंप्यूटर के क्षेत्र में महत्पूर्ण योगदान देने व वर्ष 2024 में सबसे ज्यादा दाखिले करने पर निदेशक अभिजित कुलकर्णी ने ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष में सेंटर संचालिका पिंकी तायल ने बताया कि बदलते समय में आर्टिफीसियल इंटेलीजेंसी ने कंप्यूटर जगत में एक अहम् भूमिका निभा रहा है। आने वाला समय आर्टिफीसियल इंटेलीजेंसी का है । इसलिए प्रत्येक युवा व विद्यार्थी को इसका ज्ञान होना जरुरी है। जिसको अपनाकर व अपनी शिक्षा व करियर को नई उड़ान दे सकता है।

आदर्श स्कूल में हेल्दी फूड प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

हेल्दी फूड प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

गांधी नगर स्थित आदर्श स्कूल में हेल्दी फूड प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें कक्षा 5वीं, 6वीं और 7वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता की तैयारियां बच्चों ने दो दिन पहले से ही शुरू कर दी थी। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संतुलित आहार एवं पोषण के प्रति जागरूक करना था। बच्चों के अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर इस पहल में भाग लिया और टिफिन में विभिन्न प्रकार के हेल्दी फूड दाल-रोटी, सब्जी, फल, सूखे मेवे और दही आदि शामिल किए। प्रतियोगिता में बच्चों के टिफिन का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायक समिति बनाई, जिसमें प्राचार्य दीपक शर्मा, डीपीई जगत सांगवान और पीजीटी सुरभि शामिल थे। डीपीई जगत सांगवान ने बच्चों को संतुलित आहार के महत्व के बारे में बताया और इसके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रभाव को समझाया। वहीं अध्यापिका सुरभि ने बैलेंस्ड डाइट और पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 5वीं में मयंक व कृष्ण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मयंक व प्रवेश द्वितीय तथा गुंजन को तृतीय स्थान मिला। कक्षा 6वीं में समर और मयंक प्रथम, स्नेहा और वंश द्वितीय तथा भव्या और वंशिका तृतीय स्थान पर रहे।

बुनियाद लेवल-2 के विजेता छात्र किए सम्मानित

- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ाना मिशन बुनियाद का मुख्य उद्देश्य : पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव सिरसा घोघड़ा स्थित वीर शहीद महिपाल राजकीय माध्यमिक विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने बुनियाद लेवल-2 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय की मुख्याध्यापिका पूनम टुटेजा सहित समस्त स्टाफ ने विजयी छात्रों को सम्मानित कर उनकी मेहनत की सराहना की। मुख्याध्यापिका टुटेजा ने बताया कि उपलब्धि के पीछे विज्ञान अध्यापक सचिन वर्मा का अहम योगदान रहा है, उनकी मेहनत एवं मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप विद्यालय के विद्यार्थियों ने ये सफलता हासिल की है। उन्होंने विशेष रूप से छात्रा अनिशा व नेहा का जिक्र किया, जिन्होंने बुनियाद लेवल-2 परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि मिशन बुनियाद की शुरुआत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को जेईई व एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाने के उद्देश्य से की गई है, ताकि कोई भी योग्य विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए।

शुभकामनाएं दी : विद्यालय में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है और समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने विजयी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

ब्लेड मारकर जान लेने के प्रयास का आरोपित दबोचा

भिवानी। थाना सिविल लाइन पुलिस ने अपने ही दोस्त पर जान से मारने की नीयत से गले पर ब्लड मारने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मानव निवासी नया बाजार भिवानी ने थाना सिविल लाइन पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 18 फरवरी की रात को शिकायतकर्ता अपने दोस्त टोनी के साथ एक होटल में बैठकर पार्टी कर रहे थे जो किसी बात को लेकर आरोपी टोनी ने अपनी जेब से ब्लड निकालकर शिकायतकर्ता के गले पर जान से मारने की नीयत से मार दिया था जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सिविल लाइन भिवानी में दर्ज किया था। थाना सिविल लाईन भिवानी के उप निरीक्षक धर्मबीर ने अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी को लोहड बाजार भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान नरहरि उर्फ टोनी पुत्र अमर कुमार निवासी लोहड बाजार भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से वारदात में प्रयोग किया गया एक ब्लेड बरामद किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने वैदकौर को दी श्रद्धांजलि

- परमात्मा उनकी आत्मा को अपने चरणों में निवास दें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। ढाणीमाहू में रिटायर्ड आईएएस आरएस दून की माता वेदकौर के निधन पर शोक जताने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा।

रिटायर्ड आईएएस आरएस दूहन की माता वैदकौर के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनके गांव ढाणीमाहू स्थित पैतृक निवास पर पहुंचकर दूहन परिवार को ढांढस बंधाया। वैदकौर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि रिटायर्ड आईएएस आरएस दूहन की माता के निधन की दुःखद खबर मिली। एक मां का जिंदगी से जाना जीवन की सबसे बड़ी एवं कभी न पूरी होने वाली कमी है। दुःख की घड़ी में दूहन परिवार के प्रति वे अपनी संवेदना व्यक्त करते है। परमात्मा उनकी आत्मा को अपने चरणों में निवास दें। पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि वैदकौर एक धार्मिक एवं सामाजिक सोच की महिला थी। उन्होंने हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद की एवं परिवार को एकजुट रखा तथा बेटों को संस्कारवान बनाया। वेदकौर जैसी धार्मिक महिला के निधन से परिवार व समाज को क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। इस दौरान पूर्व विधायक सोमबीर श्योराण, पूर्व ओएसडी एमएस चौपड़ा, संदीप तंवर, प्रदीप गुलिया, धीरज सिंह, सुखविंद्र हुड्डा, कमल सिंह प्रधान, राजसिंह गागड़वास, एडवोकेट सत्यवान श्योराण, पूर्व डीएसपी रोहताश सिहाग, प्रवीण रापड़िया, सत्यजीत पिलानियां, एडवोकेट राकेश नेहरा, उमेद निगाना, देवराज महता, कुलवंत कोंटिया आदि ने ढाणीमाहू पंहुचकर वैदकौर को श्रद्धांजलि दी।

नन्हें-मुन्नों ने योग कर स्वस्थ रहने का दिया संदेश

चरखी दादरी। चिड़िया गांव स्थित संस्कारम् प्ले स्कूल में शुक्रवार को बच्चों को योगाभ्यास करवाया। इस विशेष आयोजन में विद्यालय की प्राचार्या मोनिक जांगड़ा के मार्गदर्शन में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नेहा, उदिती, नायरा, पंकज, विकास, सारांश, कुनाल, तेजस, केशव, आर्यन, तनिष्का, भव्या, आरूषि, प्रियंका, मयंक सहित अनेक बच्चों ने भाग लिया। योगाभ्यास के दौरान शिक्षिकाओं ने बच्चों को योग के विभिन्न लाभ व प्रकारों की जानकारी दी। बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए जरूरी आसन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया, जिसमें प्रमुख रूप से ताड़ासन, अर्ध कटिचक्रासन, हलासन, पद्मासन, भुजंगासन शामिल थे। वहीं प्राणायाम में भ्रामरी प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम, अनुलोम-विलोम तथा सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी करवाया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ने अनेक गांवों में चलाया मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान

नशा धीमा एवं मीठा जहरः ज्योति बहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। ग्रामीणों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाती ब्रह्माकुमारीज बहनें।

नशा धीमा व मीठा जहर जो गांवों के सर्वांगीण विकास में बाधक है, नशीले पदार्थ हमारे ग्रामीणों को मानसिक व शारीरिक रूप से अपंग बना रहा है, जिससे विशेष युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है, ये उदगार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां-कादमा शाखा के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान द्वारा छिल्लर, दुधवा, दातौली व नौसवा गांवों में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अभियान संयोजक एवं झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वच्छ व स्वस्थ व्यक्ति ही नशे से मुक्त खुशहाल रह सकता है, इसके लिए राजयोग मेडिटेशन रामबाण औषधि है। ब्रह्माकुमारी ज्योति ने स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती पर कहा की स्वामीजी ने बीड़ी, सिगरेट, शराब व अन्य नशीले पदार्थों के साथ सामाजिक कुरीतियों का घोर विरोध कर अध्यात्म को अपनाने पर बल दिया, हम उनके पद्चिन्हों पर चल भारत को पुनः महान बना सकते हैं। महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित शिव-शंकर की झांकी से परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य संदेश दिया एवं नाटक के द्वारा नशामुक्त जीवनशैली के बारे में समझा नारायणी नशे में रह नशामुक्त गांव बनाने की प्रेरणा दी। क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा ने महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम भगवान शिव पर आक व धतूरे के फूल चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि परमात्म ज्ञान से अपना व बच्चों का नैतिक व चारित्रिक मूल्यों का विकास कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। ब्रह्माकुमारी रेखा व रितु बहन ने नशामुक्ति की शपथ दिलाकर समाज को आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों में बांधने का दृढ़ संकल्प करवाया।

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी
भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।
- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- अपनी बीमारी को दबाए नहीं जड़ से ठीक करवाए।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथपी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।
Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT
मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863